आजमगढ़ हस्तशिल्प के सभी कायल : सीएम

लखनऊ (एसएनबी)। मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश को समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और पारम्परिक हस्तशिल्प का राज्य बताते हुए कहा कि इस प्रदेश के कई जनपद कला, संस्कृति और हस्तशिल्प के क्षेत्रों में खास मुकाम रखते है। उन्होंने कहा कि आजमगढ़ जनपद की अपनी समृद्ध सांस्कृतिक परम्परा है और इस जनपद के साथ-साथ संगीत, बुनकरी व पॉटरी से ताल्लुक रखने वाले इसके तीन गांवों हरिहरपुर, मुबारकपुर और निजामाबाद को विकसित कर सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी। उन्होंने इन स्थानों पर पर्याप्त विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित किए जाने की भी बात कही। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा सांस्कृतिक विरासत को कायम रखने एवं हस्तशिल्प को प्रोत्साहित करने के लिए हर सम्भव मदद की जाएगी।

आजमगढ़ महोत्सव में लगे स्टाल का अवलोकन करते मुख्यमंत्री अखिलेश यादव। फोटो : एसएनबी

मुख्यमंत्री शनिवार को गोमती नगर स्थित पर्यटन भवन के सभागार में 'आजमगढ़ महोत्सव' के अन्तर्गत आयोजित सांस्कृतिक संध्या के शुभारम्भ अवसर पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि आजमगढ़ जनपद की खूबियों से लोगों को अवगत कराने के उद्देश्य से महोत्सव का आयोजन किया जाना सराहनीय है। श्री यादव ने आजमगढ़ महोत्सव को एक अच्छी शुरुआत बताते हुए उम्मीद जाहिर की कि यह महोत्सव आने वाले वर्षो में आजमगढ़ की समृद्ध संस्कृति और परम्पराओं से लोगों को रूबरू कराने में कामयाब होगा। उन्होंने आजमगढ़ में साड़ी केन्द्र की धीमी प्रगति पर असंतोष जाहिर करते हुए निर्देश दिए कि इस कार्य को तेजी से पूरा किया जाए। इस केन्द्र के लिए समाजवादी सरकार के पहले ही बजट में 5 करोड़ रुपए की धनराशि मंजूर की गई थी। इस सन्दर्भ में उन्होंने लखनऊ हाट का जिक्र करते हुए कहा कि यह हाट 25 एकड़ की भूमि में बन रहा है। उन्होंने कहा कि स्थानीय उत्पादों और उत्पादकों के लिए अपना बाजार योजना चलाई गई है। नोएडा में 10 एकड़ भूमि पर बुनकर बाजार बनाया जा रहा है। गाजियाबाद में भी इसी प्रकार का बाजार बनेगा। उन्होंने कहा कि भदोही के कालीन उद्योग के निर्यात प्रोत्साहन के लिए पहले 25 करोड़ रुपए और फिर 50 करोड़ रुपए दिये गये है। मुख्यमंत्री ने सांस्कृतिक संध्या में हरिहरपुर संगीत घराने के मशहूर कलाकार पण्डित भोलानाथ मिश्र द्वारा राग श्याम कल्याण पर आधारित प्रस्तुति को सुना। इसके अलावा द्वारिका नाथ ने 'ओ रसिया तुझ बिन चैन न आये' को राग शिवरंजनी में सुनाकर लोगों को मंत्र-मुग्ध किया।

- आजमगढ़ महोत्सव में लगी प्रदर्शनी को देखने पहुंचे मुख्यमंत्री अखिलेश यादव
- कहा संगीत, बुनकर व पॉटरी उद्योग को देंगे बढ़ावा

मुख्यमंत्री ने महोत्सव में आये साड़ी निर्मित करने वाले बुनकरों, पॉटरी उद्योग से जुड़े हस्तशिल्पियों, कारीगरों तथा विक्रेताओं से बातचीत की। उन्होंने उनकी समस्याओं को दूर किए जाने के निर्देश दिए। ट्रस्ट के उपाध्यक्ष व पूर्व मुख्य सचिव डा. योगेन्द्र नारायण ने कहा कि हमें अपनी समृद्ध विरासत को सहेजकर रखना है। उन्होंने कहा कि आजमगढ़ के गांवों के विकसित होने से वहां के कलाकार और हस्तशिल्पी अपनी जड़ों से जुड़े रहकर कार्य करेंगे।

इस मौके पर राजनैतिक पेंशन मंत्री राजेन्द्र चौधरी, मुख्य सचिव आलोक रंजन, सचिव पर्यटन अमृत अभिजात सहित वरिष्ठ अधिकारी, मीडियाकर्मी तथा गणमान्य नागरिक मौजूद थे।